भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2561

सोमवार, 9 मार्च, 2026/18 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना

2561. श्री कुलदीप इंदौरा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ क्षेत्र की अद्‌वितीय ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक और कृषि-आधारित पर्यटन क्षमता को देखते हुए इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है;

(ख) क्या सरकार का इस क्षेत्र को कृषि और कृषि-पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावना का आकलन करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ऐसे विकास के लिए विशेष बजट, अवसंरचना और प्रचार योजनाओं की योजना बना रही है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): गंतव्य के मूल्यांकन सहित पर्यटन का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्‌वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं, जैसे - स्वदेश दर्शन (एसडी), स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0), तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) आदि के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को योजना दिशानिर्देशों और सरकारी निर्देशों के अनुरूप उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर तथा निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और अन्य पर्यटन संबंधी विषयगत पहलुओं से संबंधित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास और पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन, एसडी 2.0 और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 में राजस्थान राज्य में 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक पहल के

तहत 49.31 करोड़ रुपये की 'जयपुर में अंबर-नाहरगढ़ और आसपास के क्षेत्र का विकास' और 96.61 करोड़ रुपये की 'जयपुर में जल महल का विकास' नामक परियोजनाओं को मंजूरी दी।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय वेबसाइट, कार्यक्रमों, सोशल मीडिया आदि जैसे विभिन्न प्रचार संबंधी साधनों के माध्यम से राजस्थान सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है।

*****

अनुबंध

श्री कुलदीप इंदौरा द्वारा श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के संबंध में दिनांक 09.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2561 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन, एसडी 2.0 और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

योजना	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
स्वदेश दर्शन	मरुस्थल परिपथ 2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01
	कृष्ण परिपथ 2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	75.80
	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	आध्यात्मिक परिपथ - चुरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05
	विरासत परिपथ 2017-18	विरासत परिपथ राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले के अग्रभाग में प्रकाश व्यवस्था) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास	70.61
स्वदेश दर्शन 2.0	2024-25	श्री खाटू श्याम जी मंदिर (सीकर) में विकास कार्य	87.87
	2023-24	केशोरायपाटन, बूंदी में आध्यात्मिक अनुभव	21.65
	2025-26	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर में विकास कार्य	22.58
	2025-26	मालासेरी डूंगरी, भीलवाड़ा जिले का विकास	48.73
प्रशाद	2015-16	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	32.64

*****